Series : YXWZ4

SET ~ 3

प्रश्न-पत्र कोड **2/4/3**

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **12** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

#

हिन्दी (आधार)
HINDI (Core)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे* — *अधिकतम अंक : **80***

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *यह प्रश्न-पत्र **तीन** खण्डों में विभाजित है।*

(ii) ***खण्ड क** में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।*

(iii) ***खण्ड ख** में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*

(iv) ***खण्ड ग** में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*

(v) *तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*

(vi) *यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।*

खण्ड क
(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *10*

संवेदनशील व्यक्तियों में एक वर्ग उनका है जिनकी वृत्ति लेखन है। लेखन कोई मशीनी क्रिया नहीं है। इसमें विचारों से जूझना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए शब्दों के सीमित संसार में अपनी मंशा को शब्दों में उकेरना कष्टदायक भी हो जाता है। मगर जो अनुभूति, पीड़ा, हर्षोल्लास लेखक के हृदय में उपजता है, उनको अभिव्यक्त किया ही जाना है, भले ही पाठक कम हों या न हों। चेखब की एक कहानी में नायक लेखक है जिसकी कथाएँ कोई नहीं सुनता, मगर हर शाम वह घर लौटने पर घोड़े को अपनी कहानी सुनाता है। अनेक शीर्ष लेखकों को आरंभिक दौर में पाठक-प्रकाशक नहीं मिले, किंतु वे निराशा के गर्त में नहीं डूबे। जिनके पास कुछ ठोस कहने-लिखने को है, वे कभी थमेंगे नहीं।

सृजन इहलोक की अस्मिता नहीं है। यह कार्य पारलौकिक शक्तियों का है। लेखन कर्म नहीं धर्म है, जिसके निर्वहन के लिए अथक निष्ठा, निरंतरता और श्रम आवश्यक होते हैं। आज पुस्तकों के प्रसार में अपेक्षित वृद्धि दर्ज न होने से यह अर्थ नहीं लगाना चाहिए कि लेखन, विचार और लिखित शब्द की गरिमा क्षीण हो रही है, या लिखने वाले घट गए हैं, या लेखक अपना रास्ता बदल रहे हैं। बेशक, डिजिटल चकाचौंध के प्रभाव में जानने, सीखने, समझने के लिए अधिसंख्य जनों का रुझान पढ़ने-लिखने के बजाय बोलने-सुनने पर अधिक है। जब दुनिया अत्याधुनिक हो रही है, तो लेखन-कर्म पुरानी शैली में कैसे हो सकता है।

पाठकों को भी कम्प्यूटरी साधन अनुकूल और सुविधाजनक लगते हैं। मगर इससे लेखन की भूमिका गौण नहीं हुई है। नए किरदारों की आवश्यकता तो बरकरार रहेगी ही। लोक-जीवन में मुद्रित शब्दों के प्रति समादर कमतर नहीं हुआ है, उनके कहे-लिखे की प्रामाणिकता पर प्रश्नचिह्न नहीं लगे हैं और न लगेंगे।

(i) लेखक का उद्देश्य होता है : *1*

(A) आर्थिक उपार्जन
(B) भावनाओं की अभिव्यक्ति
(C) मान-सम्मान की प्राप्ति
(D) पाठकों की संतुष्टि

(ii) चेखब का उदाहरण यहाँ क्यों दिया गया है ? *1*

(A) आरंभिक समय के संघर्ष से न घबराने के लिए

(B) लेखक के जीवन की कठिनाइयों को दर्शाने के लिए

(C) लेखन-कर्म की जटिलता को बताने के लिए

(D) कहानी के नायक की सहनशीलता दर्शाने के लिए

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यान से पढ़िए और सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए : *1*

कथन : अनेक शीर्ष लेखक प्रारंभ में पाठक-प्रकाशक नहीं मिलने से नैराश्य के गर्त में नहीं डूबे।

कारण : विचारों की सत्यता और आगामी उपयोगिता के प्रति उन्हें कोई शंका नहीं रहती।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कारण सही है, किंतु कथन ग़लत है।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) लेखन कर्म का रूप क्यों बदल रहा है ? *1*

(v) लेखन को 'मशीनी-क्रिया' क्यों नहीं कहा जा सकता ? *2*

(vi) डिजिटल क्रांति का लेखन-क्षेत्र में क्या प्रभाव दिखाई देता है ? *2*

(vii) 'नए किरदारों की आवश्यकता तो बरकरार रहेगी' – पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। *2*

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *8*

सिमटा पंख साँझ की लाली
जा बैठी अब तरु शिखरों पर
ताम्रपर्ण पीपल से, शतमुख
झरते चंचल स्वर्णिम निर्झर !

ज्योति स्तंभ-सा धँस सरिता में
सूर्य क्षितिज पर होता ओझल,
बृहद् जिह्वा विश्लथ केंचुल-सा
लगता चितकबरा गंगाजल !

धूपछाँह के रंग की रेती
अनिल उर्मियों से सर्पांकित
नील लहरियों में लोड़ित
पीला जल रजत जलद से बिंबित !

सिकता, सलिल, समीर सदा से
स्नेह पाश में बँधे समुज्ज्वल,
अनिल पिघलकर सलिल, सलिल
ज्यों गति द्रव खो बन गया लवोपल

शंख घंट बजते मंदिर में
लहरों में होता लय कंपन,
दीप शिखा-सा ज्वलित कलश
नभ में उठकर करता नीरांजन !

(i) तरु शिखर पर जाकर कौन बैठ गया है ? *1*

(A) सूर्य रूपी पक्षी

(B) संध्या रूपी पक्षी

(C) थका-हारा पक्षी

(D) समय रूपी पक्षी

(ii) कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए : *1*

कॉलम-I	*कॉलम-II*
1. ज्योति-स्तंभ	(i) कलश
2. केंचुल-सा	(ii) गंगाजल
3. दीपशिखा	(iii) सूर्य

विकल्प :

(A) 1-(iii), 2-(ii), 3-(i)

(B) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)

(C) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)

(D) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)

(iii) स्नेह रूपी बंधन में कौन-कौन बँधे हैं ? *1*

(A) लहर, जलधार, रेत

(B) लहर, रेत, अग्नि

(C) हवा, रेत, पानी

(D) हवा, लहर, अग्नि

(iv) संध्या के समय गंगा नदी कैसी प्रतीत हो रही है ? *1*

(v) संध्याकालीन प्रकृति की सुंदरता का वर्णन कीजिए। *2*

(vi) संध्या के नदी तट के दृश्य का वर्णन कीजिए। *2*

खण्ड ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(i) पत्रकारीय लेखन से क्या अभिप्राय है ? क्या पत्रकारीय लेखन को जल्दी में लिखा गया साहित्यिक या सृजनात्मक लेखन माना जा सकता है ?

(ii) मुद्रित माध्यमों में लेखन के लिए किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

(iii) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय दृश्य कैसे विभाजित किए जाते हैं ?

4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *4×2=8*

(i) भावों और विचारों को लेख की शक्ल देना ज़्यादातर लोगों के लिए मुश्किल कार्य क्यों है ?

(ii) सिनेमा, रंगमंच और रेडियो नाटक में क्या अंतर है ?

(iii) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय संवादों को किस प्रकार नाटकीय बनाया जा सकता है ?

(iv) समाचार-पत्र-पत्रिकाओं में 'संपादक के नाम पत्र' का क्या महत्त्व है ?

(v) इंटरनेट पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *6*

(i) भीषण गर्मी में बादलों का बरसना

(ii) ऑनलाइन खेलों की बढ़ती लत

(iii) शहरों की तरफ भागता ग्रामीण

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)

6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) आपकी दृष्टि में कविता क्या है – 'चिड़िया की उड़ान', 'फूलों का महकना' या 'बच्चों की रचनात्मक ऊर्जा' ? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'विषम परिस्थितियाँ मनुष्य को और अधिक सक्षम बनाती हैं' – 'पतंग' कविता के संदर्भ में लिखिए।

(iii) 'बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से जैसे धुल गई हो' 'उषा' कविता से उद्धृत इस पंक्ति में किस सिल के और कौन-से केसर से धुलने की बात कही गई है ? स्पष्ट कीजिए।

7. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) कवितावली के छंदों के आधार पर तत्कालीन आर्थिक विषमताओं का वर्णन करते हुए लिखिए कि वर्तमान समय में क्या स्थिति है।

(ii) ' 'छोटा मेरा खेत' कविता खेतों के रूपक में बँधी कवि-कर्म के रूपक को व्यक्त करने वाली कविता है।' सिद्ध कीजिए।

(iii) 'जग-जीवन को भार' की तरह लेकर फिरने वाला कवि उससे निरपेक्ष क्यों नहीं रह पाता ? 'आत्मपरिचय' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया निःशेष;
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष।
झूमने लगे फल,
रस अलौकिक,
अमृत धाराएँ फूटतीं
रोपाई क्षण की,
कटाई अनंतता की
लुटते रहने से ज़रा भी कम नहीं होती।
रस का अक्षय पात्र सदा का
छोटा मेरा खेत चौकोना।

(i) कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कॉलम-I	*कॉलम-II*
1. छोटा मेरा खेत	(i) कागज का पन्ना
2. अंकुर फूटना	(ii) साहित्यिक कृति का रूप धारण करना
3. पल्लवित पुष्पित होना	(iii) भावनाओं को शब्द मिलना

विकल्प :

(A) 1-(ii), 2-(i), 3-(iii)
(B) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)
(C) 1-(i), 2-(iii), 3-(ii)
(D) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)

(ii) कवि-कर्म की दृष्टि से बीज हो सकता है :
(A) विचार और अभिव्यक्ति का
(B) कवि के परिश्रम का
(C) कल्पना का
(D) शब्दों का

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :
कथन : साहित्यिक कृति की अलौकिक रसधारा कालजयी होती है।
कारण : असंख्य पाठकों द्वारा अनंतकाल तक पढ़े जाने पर भी इसका आनंद समाप्त नहीं होता।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।
(B) कारण सही है, लेकिन कथन ग़लत है।
(C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।
(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) 'झूमने लगे फल' का आशय है :
(A) बीज अंकुरित होने लगे
(B) फल हवा के संपर्क से झूमने लगे
(C) परिश्रम का प्रतिफल मिलने लगा
(D) बीज फूलों का रूप धारण करने लगे

(v) 'बीज गल गया निःशेष' – पंक्ति से क्या संकेत मिलता है ?

(A) खेतों में फ़सल उगाने के लिए बीजों को मिट्टी में बोना पड़ता है।

(B) रचना और विकास के लिए स्वयं का त्याग करना पड़ता है ।

(C) बीजों के गलने पर ही खेतों में फ़सल के अंकुर फूटते हैं।

(D) कल्पना के संसर्ग बिना साहित्यिक कृति की रचना असंभव है।

9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) ' 'भक्तिन' पाठ परिस्थितिवश अक्खड़ बनी, पर महादेवी जी के आत्मीयता से परिपूर्ण स्त्री-अस्मिता के संघर्ष की कहानी है।' इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(ii) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी का कोई पूजा-विधान, त्योहार अनुष्ठान लेखक के बिना पूरा नहीं होता था, क्यों ? आपके घर में भी क्या यही स्थिति है और आप इस संदर्भ में क्या करते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर लिखिए कि 'पुराने की अधिकार-लिप्सा का समय रहते सावधान होने' का प्रसंग पाठ में किस संदर्भ में आया है। इसके माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहता है ?

10. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति – शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाज़ार को देते हैं। न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाज़ार का बाजारूपन बढ़ाते हैं। जिसका मतलब है कि कपट बढ़ाते हैं। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी। इस सद्भाव के ह्रास पर आदमी आपस में भाई-भाई और सुहृद और पड़ोसी फिर रह ही नहीं जाते हैं और आपस में कोरे ग्राहक और बेचक (विक्रेता) की तरह व्यवहार करते हैं। मानो दोनों एक-दूसरे को ठगने की घात में हों। एक की हानि में दूसरे को अपना लाभ दीखता है और यह बाज़ार का, बल्कि इतिहास का; सत्य माना जाता है ऐसे बाज़ार को बीच में लेकर लोगों में आवश्यकताओं का आदान-प्रदान नहीं होता; बल्कि शोषण होने लगता है तब कपट सफल होता है, निष्कपट शिकार होता है। ऐसे बाज़ार मानवता के लिए विडंबना हैं और जो ऐसे बाज़ार का पोषण करता है, जो उसका शास्त्र बना हुआ है; वह अर्थशास्त्र सरासर औंधा है वह मायावी शास्त्र है, वह अर्थशास्त्र अनीति-शास्त्र है।

(i) बाज़ार में सद्भाव का ह्रास कब दिखाई देता है ?

(A) जब लोग अपनी पर्चेजिंग पावर का प्रदर्शन करते हैं।

(B) जब लोग आपस में ग्राहक और बेचक का व्यवहार करते हैं।

(C) जब बाज़ार में धनी और निर्धन के बीच अंतर किया जाता है।

(D) जब बाज़ार में अपनों को अधिक महत्त्व दिया जाता है।

(ii) बाज़ार में सद्भाव के ह्रास का क्या दुष्परिणाम निकलता है ?

(A) लोगों में प्रतिस्पर्धा बढ़ती है।

(B) आपसी प्रेम-भाव कम होने लगता है।

(C) ग्राहक का शोषण होने लगता है।

(D) पैसों का अभाव खलने लगता है।

(iii) 'ऐसे बाज़ार मानवता के लिए विडंबना हैं' – पंक्ति में किस बाज़ार की ओर संकेत किया गया है ?

(A) जिस बाज़ार में लोगों की आवश्यकताओं का लाभ उठाकर शोषण किया जाए।

(B) जिस बाज़ार में वस्तुओं को आकर्षक रूप से सजाकर रखा जाए।

(C) जिस बाज़ार में सामाजिक समता की अवहेलना की जाए।

(D) जिस बाज़ार में आर्थिक विषमता का बोलबाला दिखाई दे।

(iv) आत्मीयजन और पड़ोसी भी ग्राहक के रूप में दिखाई देना, किस प्रवृत्ति का सूचक है ?

(A) समतावादी

(B) उपभोक्तावादी

(C) अनैतिकतावादी

(D) रूढ़िवादी

(v) गद्यांश में प्रयुक्त 'मायावी शास्त्र' का अभिप्राय है :

(A) कल्पना से परिपूर्ण शास्त्र

(B) चकाचौंध से परिपूर्ण शास्त्र

(C) अर्थशास्त्र की व्याख्या करने वाला शास्त्र

(D) छल-कपट को बढ़ावा देने वाला शास्त्र

11. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) 'जीवन में प्रायः सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है।' कथन का आशय स्पष्ट करते हुए लिखिए कि महादेवी जी ने ऐसा किस संदर्भ में कहा है ?

(ii) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में पानी के लिए गुहार लगाते बच्चों की टोली में 'गगरी फूटी बैल पियासा' की बात क्यों की जा रही है ? स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर लिखिए कि जाति आधारित श्रम विभाजन का देश के आर्थिक पहलू पर क्या प्रभाव पड़ता है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए : *2×5=10*

(i) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी में भूषण द्वारा 'बब्बा, आप तो हद करते हैं, जो बात आप जानते ही नहीं, आपसे क्यों पूछें' कथन किस संदर्भ में कहा गया और क्यों ? इस कथन के संदर्भ में भूषण के चरित्र की समीक्षा कीजिए।

(ii) 'जूझ' कहानी में छात्रों को अनुशासन में रखने के लिए अध्यापकों द्वारा किए जाने वाले कठोर व्यवहार का उल्लेख किया गया है। आपकी दृष्टि में क्या छात्रों के साथ इस प्रकार का व्यवहार उचित है ? वर्तमान समय में इसमें क्या परिवर्तन आया है ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(iii) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ में बौद्ध स्तूप को नागर भारत का सबसे पुराना लैंडस्केप कहा गया है, इसके सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

<u>**अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु**</u>

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2025

अंक-योजना

हिंदी 'आधार' विषय कोड—302

प्रश्न-पत्र कोड-- 2/4/1, 2/4/2, 2/4/3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है । इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा-प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है । इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना BNS के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है ।

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर-पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (X) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. पूर्णतः गलत उत्तर को काटकर शून्य (0) अंक दें । एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो, तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0--80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में, अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

13. प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, शीर्षक पृष्ठ पर की गई प्रविष्टि सही हो तथा प्राप्तांकों को अंकों और शब्दों दोनों में लिखें।

14. परीक्षार्थी निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के अधिकारी हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों/ अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों/ समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार मूल्यांकन किया जाए।

Series YXWZ4 प्रश्न-पत्र कोड 2/4/1, 2/4/2, 2/4/3

अंक योजना

हिंदी 'आधार'(302)

प्रश्न सं.	2/4/1	2/4/2	2/4/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड - क **(अपठित बोध)**	(18)
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न -	(10)
	(i)	(i)	(i)	(B) भावनाओं की अभिव्यक्ति	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) आरंभिक समय के संघर्ष से न घबराने के लिए	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• तकनीकी विकास के कारण लेखकों और पाठकों को कंप्यूटरी साधन अनुकूल और सुविधाजनक लगना	**1**
	(v)	(v)	(v)	• विचारों से जूझना • लेखक का सृजन की पीड़ा से गुजरना • लेखक के हृदय में उपजी पीड़ा, अनुभूति, हर्षोल्लास को अभिव्यक्त करने की छटपटाहट (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(vi)	(vi)	(vi)	• पढ़ने-लिखने से अधिक बोलने-सुनने पर अधिसंख्य लोगों का रुझान • लेखन के इलैक्ट्रॉनिक साधनों का अनुकूल और सुविधाजनक होना	2
	(vii)	(vii)	(vii)	• लेखन की मौलिकता एवं सृजनात्मकता के लिए लेखक का महत्त्व सदैव बने रहना • मुद्रित शब्दों की प्रामाणिकता सुनिश्चित	2

2	**2**	**1**	**2**	**अपठित पद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न -	(8)
	(i)	(i)	(i)	(B) संध्या रूपी पक्षी	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) 1-(iii), 2-(ii), 3-(i)	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(C) हवा, रेत, पानी	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• मानों थका-हारा चितकबरा विशाल अज़गर अपनी जिह्वा फैला विश्राम कर रहा हो	1
	(v)	(v)	(v)	• सर्वत्र सूर्य की स्वर्णिम और अरुणिम आभा बिखरी हुई दिखाई देना • वृक्षों की चोटियों से झरता सूर्य का स्वर्णिम प्रकाश सुनहरे झरनों-सा प्रतीत होना • दूर क्षितिज पर सूर्य ज्योति स्तंभ-सा नदी में धँसता हुआ प्रतीत होना संध्या रूपी पक्षी का पेड़ों की चोटियों पर विश्राम करता हुआ दिखाई देना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(vi)	(vi)	(vi)	• नदी-तट की रेती का धूप-छाँह के रंग की तरह दिखाई देना • नदी के किनारे बने मंदिरों में पूजा-आरती शुरू होना, घंटे बजना • मंदिरों के कलश का गंगा की आरती करते हुए प्रतीत होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+1
				खंड – ख **(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)**	(22)
3	**3**	4	5	दिए गए विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख - • आरंभ – 1 अंक • विषय-वस्तु – 3 अंक • भाषा – 1 अंक • प्रस्तुति – 1 अंक	6x1= 6

4	**4**	**5**	**4**	किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित-	(4**x**2 =8)
	(i)	(i)	(i)	• आत्मनिर्भर होकर लिखित रूप में अभिव्यक्ति का अभ्यास नहीं होने से • अभिव्यक्ति के लिए उपयुक्त भाषा-शैली एवं शब्द-संपदा का अभाव	**2**
	(ii)	(ii)	(ii)	• सिनेमा, रंगमंच दृश्य-श्रव्य, रेडियो नाटक केवल श्रव्य माध्यम • सिनेमा, रंगमंच की तुलना में रेडियो नाटक में पात्रों की संख्या एवं समय सीमित • सिनेमा, रंगमंच की अपेक्षा रेडियो नाटक में मंच-सज्जा, वस्त्र सज्जा और पात्रों की भाव-भंगिमाएँ सब कुछ संवादों और ध्वनि प्रभावों के माध्यम से (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(iii)	(iii)	(iii)	• लंबे संवादों को छोटा करके • देशकाल, वातावरण के अनुरूप संवादों की रचना • संवादों को पात्रों की भावभंगिमाओं और स्वाभाविक तौर-तरीकों के अनुरूप बनाकर (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(iv)	(iv)	(iv)	• पाठकों द्वारा अपनी राय व्यक्त करना • मुद्दों और समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट करना • नए लेखकों के लिए लेखन का अवसर (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(v)	(v)	(v)	• डिजिटल प्लेटफॉर्म पर खबरों, लेखों, चर्चा-परिचर्चाओं, बहसों, झलकियों, डायरियों एवं फ़ीचर के रूप में पत्रकारिता • चौबीसों घंटे वैश्विक उपलब्धता के साथ अपडेशन की सुविधा	2

5	**5**	3	3	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में अपेक्षित-	(2**x**4 =8)
	(i)	(iii)	(ii)	• लेखन में भाषा, व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान • आबंटित जगह और निर्धारित समय-सीमा के अनुशासन का पालन • लेखन और प्रकाशन के बीच ग़लतियों और अशुद्धियों को ठीक करना • लेखन में विचारों एवं भावों की तारतम्यता बनाए रखना • प्रचलित भाषा के प्रयोग पर बल देना (कोई चार बिंदु अपेक्षित)	4
	(ii)	-	-	विशेष रिपोर्ट - • समाचार पत्र-पत्रिकाओं में गहरी छानबीन, विश्लेषण और व्याख्या पर आधारित, किसी घटना या समस्या पर आधारित रिपोर्ट तैयार करने की विधि - • घटना, समस्या या मुद्दे की गहरी छानबीन कर संबंधित महत्त्वपूर्ण तथ्यों का एकत्रीकरण • तथ्यों के विश्लेषण के जरिए उसके नतीजे, प्रभाव और कारणों का स्पष्टीकरण देते हुए रिपोर्ट की तैयारी (कोई एक बिंदु अपेक्षित) लेखन शैली – • भाषा सरल और सहज • विषय-विशेष की तकनीकी शब्दावली का प्रयोग	1+1+ 2
	(iii)	(ii)	(iii)	• स्थान और समय के आधार पर दृश्य विभाजन • कहानी के अनुसार औचित्यपूर्ण व क्रमानुसार दृश्य विभाजन • प्रारंभ, मध्य और अंत का ध्यान रखते हुए दृश्य विभाजन • कथानुसार दृश्यों का तार्किक विकास • परिवेश और परिस्थितियों के अनुसार दृश्य या मंच सज्जा आदि की व्यवस्था (कोई चार बिंदु अपेक्षित)	4

	-	(i)	-	पत्रकारीय विशेषज्ञता - • विषय विशेष में जानकारी और अनुभव के आधार पर संबंधित घटनाओं और मुद्दों की सहजता से व्याख्या करना और अर्थ स्पष्ट करना कैसे हासिल की जाती है - • रुचि विशेष से संबंधित विषयों की पुस्तकें, खबरें, रिपोर्ट पढ़कर • विषय-विशेषज्ञों से मिलकर, बातचीत कर • संबंधित संगठनों से जुड़कर • लगातार अभ्यास द्वारा (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2+2
	-	-	(i)	पत्रकारीय लेखन - • समाचार पत्र-पत्रिकाओं द्वारा पाठकों तक सूचनाएँ पहुँचाना • पाठकों को जागरूक करने और उनके मनोरंजन के लिए लेखन के विभिन्न रूप समान होते हुए भी पत्रकारीय लेखन अपनी विशिष्टताओं के साथ साहित्यिक या सृजनात्मक लेखन से कुछ मायनों में भिन्न- • पत्रकारीय लेखन मुख्यतः समसामयिक और वास्तविक घटनाओं और समस्याओं पर आधारित, साहित्यिक लेखन कल्पना पर • पत्रकारीय लेखन तात्कालिकता और पाठकों की रुचि पर आधारित, साहित्यिक लेखन कवि और लेखकों की रुचि पर • पत्रकारीय लेखन में आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग, साहित्यिक लेखन में परिष्कृत भाषा का प्रयोग (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2+2
				खंड – ग **(पाठ्य पुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित)**	(40)
6	**6**	7	8	**'पठित काव्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -	**(5x**1 =5)
	(i)	(i)	(i)	(C) 1-(i), 2-(iii), 3-(ii)	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) विचार और अभिव्यक्ति का	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(C) परिश्रम का प्रतिफल मिलने लगा	1

	(v)	(v)	(v)	(B) रचना और विकास के लिए स्वयं का त्याग करना पड़ता है।	1
7	7	6	6	**'पद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –	(**2x**2 =4)
	(i)	-	(iii)	• सिल- रात्रि के अंधकार से युक्त नभ, केसर- उदित होते सूर्य की लालिमा • उषाकालीन आकाश के गतिशील सौंदर्य का वर्णन	1+1
	(ii)	-	-	• चिड़िया और कविता दोनों का उड़ान भरना • चिड़िया का पंखों के सहारे उड़ान भरना, कविता में कवि की कल्पनाओं और भावनाओं की उड़ान • चिड़िया की उड़ान सीमित, कविता में कल्पना की उड़ान असीमित (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(iii)	(iii)	-	• निडरता और साहस के साथ विषम परिस्थितियों में डटे रहना • संयम,आत्मविश्वास और नवीन ऊर्जा से भर जाना	2
	-	(i)	-	• कविता का भावों, विचारों और शब्दों से तथा बच्चों का विभिन्न उपकरणों से खेलना • कविता में कल्पना की असीमित उड़ान, बच्चों के सपनों की भी सीमा न होना • कविता में अर्थ की व्यापक संभावनाएँ, बच्चों के खेल में उमंग, उत्साह, भविष्य, विकास की असीम संभावनाएँ • दोनों ही अपने-पराए, ऊँच-नीच, अमीर-गरीब की भावना से रहित (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	(ii)	-	• बालसुलभ इच्छाओं, कामनाओं और उमंगों का प्रतीक • सपनों से भरे मन द्वारा ऊँचाइयों को छूने का प्रतीक	2
	-	-	(i)	क्या- • चिड़िया की उड़ान • फूलों का महकना • बच्चों की रचनात्मक ऊर्जा (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1

				कारण- (उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	
	-	-	(ii)	• विषम परिस्थितियों का सामना करने से ही मनुष्य में दृढ़ता, आत्मविश्वास, निडरता और जुझारूपन जैसे गुणों का विकास • लक्ष्य प्राप्ति के प्रयास में आने वाले उतार-चढ़ाव का सामना करना • सतत परिश्रम कर अंततः सफल होना • पतंग लूटने-पकड़ने की कोशिश में छत के किनारों तक आना, गिरना और सँभलना, जीवन की कठिनाइयों का सामना करने के समान (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
8	8	8	7	**'पद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –	(**2x**3 =6)
	(i)	(i)	(i)	तत्कालीन स्थिति- • अकाल की भीषणता • ग़रीबी, भुखमरी और बेरोजगारी का साम्राज्य • नैतिक मूल्यों का ह्रास वर्तमान स्थिति- • प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में राहत का उपलब्ध होना • सरकारी सहायता के बावजूद आज भी बेरोजगारी, भुखमरी जैसी समस्याओं के साथ-साथ भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, कालाबाज़ारी आदि का होना • नैतिक मूल्यों का निरंतर ह्रास	1½+ 1½
	(ii)	(ii)	(ii)	• एक चौकोर खेत- काग़ज का पन्ना, जिस पर रचना शब्दबद्ध होती है • विचार - भावनात्मक आँधी के प्रभाव से क्षण का बीज • कल्पना रूपी रसायन का सहारा लेकर बीज का विकास • शब्दों के अंकुर फूटना, पल्लवित और पुष्पित होना- रचना की पूर्णता (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3

	(iii)	(iii)	(iii)	● समाज से व्यक्ति का नाता खट्टा-मीठा, जग जीवन से पूरी तरह निरपेक्ष रहना संभव नहीं ● कवि की अपनी अस्मिता, अपनी पहचान का उत्स, उसका परिवेश ही उसकी दुनिया ● कवि द्वारा दुनिया से अपने द्विधात्मक और द्वंद्वात्मक संबंधों का मर्म उद्घाटित करना	3
9	9	11	10	**'पठित गद्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -	**(5x**1 =5)
	(i)	(i)	(i)	(B) जब लोग आपस में ग्राहक और बेचक का व्यवहार करते हैं।	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(C) ग्राहक का शोषण होने लगता है।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) जिस बाज़ार में लोगों की आवश्यकताओं का लाभ उठाकर शोषण किया जाए।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(B) उपभोक्तावादी	1
	(v)	(v)	(v)	(D) छल-कपट को बढ़ावा देने वाला शास्त्र	1
10	**10**	9	9	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –	**(2x**3 **=6)**
	(i)	-	-	किस प्रकार- ● स्वाभिमान और निडरता के साथ ● दृढ़ता के साथ संघर्षशील रहकर ● अयोग्य लड़के से बेटी के पुनर्विवाह का विरोध करके परिणाम- ● पंचायत के फैसले के समक्ष भक्तिन और उसकी बेटी का एक न चलना ● सारी संपत्ति का पारिवारिक द्वेष में समाप्त हो जाना ● आय के लिए भक्तिन का गाँव से शहर में पलायन	1½+ 1½
	(ii)	-	-	आशय- ● त्यागपूर्वक दान का महत्त्व बताने के लिए ● अपनी आवश्यकताओं की अपेक्षा कल्याणार्थ दूसरों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देना	2+1

				उदाहरण- • पानी का अर्घ्य देना • खेतों में बीज की बुवाई (कोई एक उदाहरण अपेक्षित)	
	(iii)	-	-	• विपरीत परिस्थितियों का सामना कर अपना लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा • अवधूत की भांति संसार से विरक्त होकर सुख-दुख के प्रति समभाव रखना • शिरीष द्वारा ग्रीष्म ऋतु में भी लू से जलने वाली धरती पर अविचल होकर हरा-भरा रहना और छाया प्रदान करना	3
	-	(i)	-	कुरीति- • बाल विवाह वर्तमान स्थिति - • वैधानिक रूप से बाल-विवाह दण्डनीय अपराध, लोगों में जागरूकता • अभी भी कहीं-कहीं इस कुप्रथा को अंजाम दिया जाना	1+2
	-	(ii)	-	कौन-से - • विपदा-आपदा के समय सरकार द्वारा गरीब, बेसहारा लोगों की सहायता हेतु चलाई जाने वाली योजनाओं रूपी मेघों के लिए क्यों- • भ्रष्टाचार के कारण इन योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक नहीं पहुँच पाना • स्थिति का जस का तस रह जाना	1+2
	-	(iii)	-	किनकी- • अपनी अधिकार लिप्सा से दूर न जा पाने वाले राजनेताओं की क्यों- • जब तक शिरीष के नए फल-पत्ते मिलकर पुराने फल को धकियाकर गिरा नहीं देते, तब तक वे अपना स्थान नहीं छोड़ते, उसी प्रकार नेता ज़माने का	1+2

				रूख न पहचान अपनी सत्ता में तब तक जमे रहते हैं, जब तक नई पीढ़ी उन्हें धक्का मारकर निकाल नहीं देती	
	-	-	(i)	● स्त्री अस्मिता के संघर्ष की कहानी भक्तिन के माध्यम से अभिव्यक्त ● पुत्र की चाह रखने वाले समाज में अपनी और बेटियों के हक के लिए संघर्ष ● पति और जमाता की मृत्यु के बाद स्वयं और बेटी के लिए परिवार और पंचायत (समाज) से संघर्ष ● गाँव से अपमानित हो सम्मानपूर्वक जीवनयापन के लिए शहरी जीवन जीने का संघर्ष (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	-	-	(ii)	क्यों- ● लेखक में जीजी का प्राण बसना और लेखक के हाथों से किए गए दान-पुण्य का फल लेखक को ही प्राप्त होना (दूसरे और तीसरे भाग के लिए परीक्षार्थी के उचित तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	1+1+1
	-	-	(iii)	संदर्भ- ● अधिकार लिप्सा से दूर न जा पाने वाले राजनेताओं के संदेश- ● अधिकार लिप्सा से दूर न जा पाने वाले राजनेताओं द्वारा समय रहते नई पीढ़ी को यथोचित अवसर देना चाहिए अन्यथा नई पीढ़ी द्वारा उन्हें जबरन हटा दिया जाएगा	1+2
11	11	10	11	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –	(**2x**2 =4)
	(i)	(i)	(i)	आशय- ● अधिकांश लोगों में उनके नाम के अनुरूप गुण-विशेषताएँ न होना संदर्भ- ● भक्तिन (लक्ष्मी) के	1+1
	(ii)	(ii)	(ii)	● भ्रष्टाचार के कारण योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक नहीं पहुँच पाना ● स्थिति का जस का तस रह जाना	2

	(iii)	(iii)	(iii)	● व्यक्तिगत रुचि और योग्यता के विरुद्ध किसी पेशे को अपनाने की बाध्यता ● बेरोजगारी व भुखमरी की स्थिति ● व्यक्ति का टालू काम करने और कार्य-कुशलता में कमी से आर्थिक पहलू प्रभावित होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
12	12	12	12	'**पूरक पाठ्य पुस्तक**' पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 100 शब्दों में) –	(**2x**5 =10)
	(i)	-	-	● पारिवारिक मतभेद ● परिजनों से यथोचित सम्मान न मिलना ● घर वालों से सामंजस्य न बैठा पाने के कारण हाशिए पर चले जाना ● अतीत के मोह के कारण वर्तमान से कभी तालमेल न बिठा पाना ● किशनदा के आदर्शों को ही जीवन का उद्देश्य मानना	5
	(ii)	-	-	(उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	5
	(iii)	-	-	● संपन्नता, सुरुचि और कलात्मकता की कहानी ● जीवंतता का अहसास ● खंडहरों को देखकर उसके वैभव और भव्यता को महसूस करना ● अन्नागार, स्नानागार, महाकुंड, स्तूप आदि का अब भी शहर में रहना ● जल-संग्रहण, जल-निकासी आदि विकसित नगरीय सभ्यता की पहचान	5
	-	(i)	-	क्यों- ● यशोधर बाबू का सिद्धांतवादी व्यक्तित्त्व ● परिजनों से वैचारिक मतभेद (दूसरे भाग के लिए परीक्षार्थी के उचित तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	2+3
	-	(ii)	-	(उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	5

	-	(iii)	-	● दैनिक प्रयोग में लाई जाने वाली वस्तुओं में कलात्मकता ● वास्तुकला या नगर-नियोजन कला की समृद्धि का प्रतीक ● मूर्तियाँ, बर्तन, आभूषण आदि सभी पर उभारे गए चित्र, मुहरों पर उत्कीर्ण आकृतियाँ सिंधु घाटी के सौंदर्य बोध और रुचि की अभिव्यक्ति ● वस्तुओं के प्राकृतिक सौंदर्य को अधिक महत्त्व ● समृद्ध सभ्यता की दृष्टि से कला का व्यापक महत्त्व	5
	-	-	(i)	संदर्भ- ● पिता द्वारा भूषण को उनसे सलाह लेने के लिए कहने के प्रत्युत्तर में क्यों- ● भूषण के अनुसार पिता को नई तकनीक और नई समस्याओं की जानकारी न होना चारित्रिक समीक्षा - ● भौतिकतावादी सोच से प्रभावित व्यक्ति ● एकाधिकार की चाहत ● दिखावे की प्रवृत्ति ● अवसरवादी व स्वार्थी ● पिता के प्रति विनम्रता का अभाव ● पारिवारिक उत्तरदायित्त्वों के प्रति उपेक्षा का भाव ● आय का घमंड (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	1+1+3
	-	-	(ii)	(उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	5
	-	-	(iii)	● छब्बीस सदी पहले बनी ईंटों से निर्मित ● सबसे ऊँचे चबूतरे पर विशाल आकार के बौद्ध-स्तूप का निर्माण ● भिक्षुओं के कमरों का बना होना ● पुरातत्त्व के विद्वानों द्वारा चबूतरे के पीछे वाले हिस्से को 'गढ़' और ठीक सामने वाले हिस्से को 'उच्च' कहकर संबोधित करना ● आस-पास का प्राकृतिक सौंदर्य का राजस्थान से मिलता-जुलता होना	5